महोदयजी

जाँच से प्रकट है कि :-

(1) प्रार्थना पत्र क्षेत्राधिकार का है।

(2) उचित कोर्ट फीस पर है।

(3) आवश्यक राजस्व रेकार्ड की प्रमाणित प्रतियाँ संलग्न हैं।

(4) प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी के प्रार्थीगण खातेदार है व इन्हें नपती कराने का अधिकार है।

अतः दर्ज कर आदेश जारी किया जाना उचित है। आदेशार्थ प्रस्तुत

[signature] 14/6/23

(5) श्रीमान एस० डी० ओ० सा०

प्रकरण दर्ज होकर आदेश जारी हो।

[signature]

14-6-23

Signature Not Verified

Digitally signed by Ram Kumar Tada
Date: 2024.02.22 10:33:34 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner